



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 112]  
No. 112]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 8, 1983/आषाढ़ 17, 1905  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 8, 1983/ASADHA 17, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जुलाई 1983

सं०एफ०4(5)उत्पू० एण्ड एम०/83 — 7.75 प्रतिशत ऋण, 1991 और 10.00 प्रतिशत ऋण, 2014 (दूसरा निर्गम) के लिये 750 करोड़ रुपये की कुल राशि के लिये 15 जुलाई, 1983 को बैकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी से या भारत सरकार के 5 प्रतिशत ऋण, 1983 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परन्तु पिछले अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 15 जुलाई, 1983 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे सरकार को 750 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों की रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 825 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर नकदी से आंशिक आबंटन किया जायेगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जायेगी। इस प्रकार लौटाई गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जायेगा।

451GI/83-1

3 रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 जुलाई, 1991 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7.75 प्रतिशत, ऋण 1991

- वापसी अदायगी की तारीख--ऋण 15 जुलाई 1991 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- निर्गम मूल्य--आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- ब्याज--इस ऋण की ब्याज दर 15 जुलाई 1983 से वार्षिक 7.75 प्रतिशत होगी। ब्याज प्रत्येक छमाही में 15 जून को और 15 जुलाई को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नोचे दिये गये अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आय कर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4 रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 30 मई, 2014 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.00 प्रतिशत, ऋण, 2014 (दूसरा निर्गम)।

- वापसी अदायगी की तारीख--ऋण 30 मई 2014 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- निर्गम मूल्य--आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 15 जुलाई 1983 से वार्षिक 10.00 प्रतिशत होगी। 15 जुलाई 1983 से 29 नवम्बर 1983 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिये ब्याज 10 नवम्बर 1983 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 30 मई और 30 नवम्बर को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

#### परिवर्तन की शर्तें

5. 5 प्रतिशत ऋण, 1983 की प्रतिभूतियों समूह पर नये ऋणों में परिवर्तित करने के लिये स्वीकार की जायेगी। परिवर्तन के लिये प्रस्तुत की जाने वाली 5 प्रतिशत ऋण, 1983 की प्रतिभूतियों पर 14 जुलाई 1983 तक (उस तारीख को मिलाकर) वार्षिक 5 प्रतिशत की दर पर ब्याज अदा किया जायेगा।

#### पूरक व्यवस्था

6. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई (फोर्ट और भायखळा) भुवनेश्वर, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय, और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज अदा करने का स्थान :—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई, भुवनेश्वर, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा त्रिभुक्तम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जायेगा।

8. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अंशानेवना द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लग होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिसके आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें वह प्राधिकृत किया गया हो कि वह कौटुंबिक किये बिना या धारक पर लागू होने वाली स्थूलतः दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाये।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिस की कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिये जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणापत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुसूचित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80D के अन्य उपबन्धों के अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,65,000 रुपये को सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगी।

(1) स्टॉक प्रमाणपत्र, या (2) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करे तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जायेंगी।

12. ऋणों के लिये आवेदनपत्र—ऋणों के लिये आवेदनपत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिये होने चाहिये।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संयुक्त फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिये जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करना हो।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि, नकदी या बैंक या परिवर्तन के लिये प्रस्तुत की जाने वाली 5 प्रतिशत ऋण, 1983 की प्रतिभूतियों के रूप में प्रेषित की जानी चाहिये। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिये।

परिवर्तन के लिये प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियां धारक द्वारा सरकार का निम्न प्रकार अवरित की जायें :—

(i) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाणपत्र के पोछे अंतरण विवेक के फार्म पर किसी माफ़ी के समक्ष हस्ताक्षर कर,

(ii) यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्न प्रकार से पृष्ठांकित किया जाये:

“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें”

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत, और उसको मुहयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100.00 (सैकेंसिक) 6 पैसे की दर पर दलाला अदा कां जायेगा।

दलाली की अदायगी के लिये ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिये।

राष्ट्रपति के आदेश से  
ए० रंगाचारी, संयुक्त सचिव

## आवेदन-पत्र का फार्म

मै/हम\*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु० ..... ( ..... रुपये) के गारंटीक मूल्य के लिए नकदी रु० ..... ( ..... रुपये) के गारंटीक मूल्य

चेक

की 5 प्रतिशत अंश, 1983 की प्रतिभूतिया प्रस्तुत करना हूँ/करते हैं\* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें\* उचित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में वचनपत्र (पत्रों)\* के रूप में रु० ..... के गारंटीक मूल्य के 7.75 प्रतिशत अंश, 1991\*

स्टॉक प्रमाणपत्र

10.00 प्रतिशत अंश, 2014 (दूसरा निर्गम)\* की प्रतिभूतिया जाने की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रु० ..... का (के) + ..... वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० ..... का (के) + ..... वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० ..... का (के) + ..... वचनपत्र

2 मै/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज ..... में अदा किये जाएं।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखे। प्रविष्टियां आवेदक कार्यालय द्वारा की जाएंगी।			हस्ताक्षर ..... पूरा (पूरे) नाम ..... पता: ..... .....
	छोटे हस्ताक्षर	दिनांक	
आवेदन पत्र सं० "दलाली नहीं" मुहर नकदी प्राप्त होने की तारीख चेक बसूल होने की तारीख विशेष चालु खाते में जमा करने की तारीख जांच की गयी नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया मांग पत्र सं० प्रतिभूति सं० फाई सं० वाउचर पारित करने की तारीख			दिनांक ..... जुलाई, 1983

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

+ रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1000, रु० 5000, रु० 10,000 रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहाँ उल्लेख करें।

टिप्पणियां.

- (1) परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियां यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक(कों) के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ प्रत्याकित किया जाए—“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें” और यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिये गये अन्तर्गत विलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करें/करें।
- (2) प्रत्येक ऋण, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक कगार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (3) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षर के नीचे उनके पूरे नाम स्ववसाय और पते दिये जाएं।
- (4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लागू ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएं।
  - (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी मध्य प्रतिलिपि।
  - (ii) कंपनी/निकाय के शासन पत्र और अन्तर्नियम या नियमों और विनियमों/उपनियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
  - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उनके/उनके बिधिवन् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (5) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए (लाभ ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेश काम भी भरना चाहिए।

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th July, 1983

No. F. 4(5)W&M/83.—Subscriptions for the issues of 7.75 per cent Loan, 1991 and 10.00 per cent Loan, 2014 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 750 crores will be received in the form of cash or of securities of Government of India 5 per cent. Loan 1983 on the 15th July 1983 upto the close of Banking hours. In the event of 15th July 1983 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government Reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 750 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 825 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 7.75 per cents Loan, 1991 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th July 1991.

- (i) Date of Repayment.—The loan will be repaid at par on the 15th July 1991.
- (ii) Issue price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.75 per cent. per annum from 15th July 1983. Interest will be paid half-yearly on the 15th January and 15th July. The interest paid will subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act 1961.

4. 10.00 per cent. Loan, 2014 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 30th May 2014

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 30th May 2014.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan, applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of Rs. 10.00 per cent. per annum from 15th July 1983. Interest for the period 15th July, 1983 to 29th

November 1983 (inclusive) will be paid on 30th November 1983 and thereafter interest will be paid half-yearly on 30th May and 30th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

### CONVERSION TERMS

5. The securities of 5 per cent. Loan, 1983 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of 5 per cent. Loan, 1983 tendered for conversion will be paid at the rate of 5 per cent. per annum upto and inclusive of 14th July 1983 at the time of issue of new securities.

### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Bhubaneswar, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the District Headquarters in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Bhubaneswar, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtained by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application a certificate from the Income-tax Officer of the district authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from

other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit for Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in section 5 of the Wealth tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 1,65,000.

11. The securities will be issued in the form of.—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of the

5 per cent. loan, 1983 which is being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

(i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :

'Pay to the President of India'.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By Order of the President,  
A. RANGACHARI, Jt. Secy.

#### FORM OF APPLICATION

I/we\* .....  
[Full Name(s) in Block Letters] ..... herewith

tender <sup>\*Cash</sup> ..... Rs. .... (Rupees .....)/  
Cheque for .....

\*Securities of 5 per cent. Loan, 1983 of the nominal value of Rs. .... (Rupees .....)  
and request that Securities of 7.75 per cent. Loan, 1991\*/10.00 per cent. Loan, 2014 (Second Issue)\* of the nominal value of Rs. ....  
.....may be issued to me /us\* in the form of Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :—

stock Certificate

..... Promissory Note (s) of Rs. .... each.  
..... Promissory Note(s) + of Rs. .... each.  
..... Promissory Note(s) + of Rs. .... each.

2. I/We\* desire that interest be paid at .....

N.B.:—The applicant should not write anything in this cage.  
The entries will be filled in by the Receiving Office.

Signature(s) .....

Initials

Date

Name(s) in full  
(Block Letters)

Application No. ....

N.B. Stamp .....

Cash received on .....

Cheque realised on ..... Address .....

Credited to Special Current Account on .....

Examined .....

Cash Applications Register posted .....

Brokerage Register posted .....

Indent No. ....

Serial No. ....

Card No. ....

Voucher passed on ..... Dated the ..... of July 1983.

"Delete what is not required.

- Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

**Notes.**—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents if not already

registered at the Public Debt Office should be enclosed with the investment application :—

- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye laws of the company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (5) applicants desiring the issue of scrips in the form of stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.